

अभ्यास प्रश्न पत्र

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 5

- (क) भाषा का एक रूप मौखिक भाषा है दूसरा लिखित भाषा।
 (ख) समाचार वाचन मौखिक भाषा का उदाहरण है।
 (ग) गुरुमुखी पंजाबी भाषा की लिपि है।
 (घ) भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण है।
 (ङ) स्वर संधि के पाँच भेद हैं।

2. मौखिक और लिखित भाषा में क्या अंतर है? 2

मौखिक भाषा में बोला तथा सुना जाता है तथा लिखना-पढ़ना लिखित भाषा में आता है।

3. नीचे वर्ण-विच्छेद दिए गए हैं उनसे बनने वाले शब्द को लिखिए। 3

- (क) अ + क् + अ + स् + म् + आ + त् + अ अकस्मात्
 (ख) स् + अ + म् + अ + स् + त् + अ समस्त
 (ग) व् + इ + ष् + अ + ध् + अ + र् + अ विषधर

4. निम्नलिखित शब्दों की तत्सम एवं तद्भव शब्द के आधार पर पहचान कीजिए। 3

घर	तद्भव	दही	तद्भव	क्षेत्र	तत्सम
दुग्ध	तत्सम	पत्र	तत्सम	मोर	तद्भव

5. (क) दिए गए शब्दों के लिए विलोम शब्द दीजिए। 2

ऊपर	×	नीचे	दाएँ	×	बाएँ
मित्र	×	शत्रु	धरती	×	आकाश

(ख) दिए गए शब्दों के लिए दो पर्यायवाची शब्द दीजिए। 4

धरती – धरा, वसुधा	पानी – नीर, तोय
पेड़ – वृक्ष, वितप	बादल – जलधर, मेघ

6. (क) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए – 2

लड़का	लड़कपन	देव	देवत्व
राष्ट्र	राष्ट्रीयता	पुरुष	पुरुषत्व

- (ख) लिंग पहचानिए – 2
- | | | | |
|-------|------------|--------|----------|
| सुत | पुल्लिंग | सम्राट | पुल्लिंग |
| अनुजा | स्त्रीलिंग | कर्ता | पुल्लिंग |
- (ग) वचन बदलिए – 2
- | | | | |
|---------|-----------|------|---------|
| अध्यापक | अध्यापकगण | धातु | धातुएँ |
| गायक | गायकवृंद | तिथि | तिथियाँ |
7. रंगीन पदों के कारक भेद का नाम लिखिए। 2
- (क) कविता सौम्या को पुस्तक देती है। कर्ता कारक
- (ख) आपने मुझे उपहार दिया। संप्रदान कारक
8. प्रश्नवाचक और अनिश्चयवाचक सर्वनाम में उदाहरण देकर अंतर स्पष्ट कीजिए – 2
- जिस सर्वनाम शब्द से किसी के बारे में प्रश्न किया जाए, प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाता है; जैसे – कौन आया है?
- किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाले शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे – बाहर कुछ लोग आए हैं।
9. विशेषण की कितनी अवस्थाएँ होती हैं? नाम तथा उदाहरण देकर बताइए। 2
- विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती हैं—
- मूलावस्था – कटु उत्तरावस्था – कटुतर उत्तमावस्था – कटुतम
10. नीचे दिए गए शब्दों की सही वर्तनी के सामने सही (✓) का निशान लगाइए – 2
- | | | | | | |
|-------------|-------------------------------------|--------|-------------------------------------|---------|--------------------------|
| (क) द्रष्टि | <input type="checkbox"/> | दृष्टि | <input checked="" type="checkbox"/> | दृष्टी | <input type="checkbox"/> |
| (ख) नमस्कार | <input checked="" type="checkbox"/> | नमसकार | <input type="checkbox"/> | नमश्कार | <input type="checkbox"/> |
| (ग) चूहिया | <input type="checkbox"/> | चुहिया | <input checked="" type="checkbox"/> | चुहीया | <input type="checkbox"/> |
| (घ) करुणा | <input checked="" type="checkbox"/> | करूणा | <input type="checkbox"/> | करूना | <input type="checkbox"/> |
11. इन वाक्यों में आई क्रियाओं का काल सही (✓) बताया गया है या गलत (X), बताइए। 3
- (क) गुड़िया चहकती है। (सामान्य वर्तमान काल)

(ख) हम अभी-अभी आए हैं। (आसन्न भूतकाल)

(ग) शायद कल कुछ लोग आएँ। (संभाव्य भविष्यत काल)

12. निम्नलिखित वाक्यों में आए क्रियाविशेषण छाँटिए। 2

(क) यहाँ कौन आएगा? यहाँ – स्थानवाचक

(ख) तुम अभी चले जाओ। अभी – कालवाचक

(ग) ठीक से बैठो। ठीक से – रीतिवाचक

(घ) जी भर खा लिया, अब चलो। जी भर – परिमाणवाचक

13. (क) निम्नलिखित संधि-विच्छेदों में से सही विकल्प को चुनिए। 3

1. विद्यार्थी – विधा + अर्थी विद्या + अर्थी वि + ध्यार्थी

2. देवर्षि – देवर + षि देव + ऋषि दे + वर्षि

3. तल्लीन – तल + लीन तत् + लीन त + ल्लीन

(ख) निम्नलिखित वाक्यों की रचना के आधार पर भेद के रूप में पहचान कीजिए – 2

1. वह चाहता है कि हम उसकी बात सुनें।

सरल संयुक्त मिश्र

2. आप और हम मिलकर काम करेंगे।

सरल संयुक्त मिश्र

(ग) मुहावरों के उचित अर्थ का चयन कीजिए – 2

1. पीठ ठोकना

पिटार्ई करना दर्द कम करना शाबाशी देना

2. लाल पीला होना

रंग लगना रंग बदलना बहुत गुस्सा करना

14. अपने विद्यालय के वार्षिकोत्सव के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

15. क्षेत्र में हुई दुर्घटना पर एक प्रतिवेदन लिखिए। 5

16. अपनी पसंद के किसी विषय पर लगभग 150-200 शब्दों में निबंध लिखिए। 5

17. अपने मित्र को उसके जन्मदिन पर बधाई देते हुए पत्र लिखिए। 5

प्रश्न 14-17 तक के उत्तर छात्र स्वयं दें।

18. दिए गए गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

कोणार्क ओडिशा के तटीय शहर पुरी के समीप है। इसका निर्माण 12वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में राजा नरसिंह देव ने करवाया था। स्थापत्य का यह बेजोड़ नमूना 1200 शिल्पकारों के कला-कौशल से 12 वर्ष में बनकर तैयार हुआ था। कोणार्क का अर्थ है—‘सूर्य का कोण’। सूर्य की किरणें दिन-भर मंदिर के गर्भ गृह में स्थित सूर्य प्रतिमा को स्पर्श करती हैं। है न आश्चर्य की बात। परिसर में प्रवेश करते ही सूर्य मंदिर का विशाल और भव्य स्वरूप चकित कर देता है। इस मंदिर की बनावट विशाल रथ के समान है। इस रथ पर सूर्य देवता आरूढ़ हैं। रथ के दोनों ओर बाहर बड़े-से पहिए हैं। ये वर्ष के बारह महीनों को दर्शाते हैं। इसके आगे पत्थर के सात कलात्मक घोड़े ऐसे लगते हैं, मानो रथ को खींच रहे हों।

(क) कोणार्क मंदिर का निर्माण किसने करवाया था?

कोणार्क मंदिर का निर्माण राजा नरसिंह देव ने करवाया था।

(ख) कोणार्क की क्या विशेषता है?

सूर्य की किरणें दिन भर मंदिर के गर्भ-गृह में स्थित सूर्य की प्रतिमा को स्पर्श करती हैं।

(ग) रथ के पहिए क्या दर्शाते हैं?

रथ के पहिए वर्ष के बारह महीनों को दर्शाते हैं।

(घ) कोणार्क मंदिर कितने वर्ष में बनकर तैयार हुआ था?

कोणार्क मंदिर 12 वर्ष में बनकर तैयार हुआ था।

(ङ) ‘वर्ष’ शब्द में जुड़ने वाला उचित प्रत्यय हो सकता है।

‘इक’।